

सतिश्वर सतीश्वर

सतिश्वर सतीश्वर

६९५८

ASIA PACIFIC

मुद्रा मण्डल

मरुताकाक पत्रिचयक मजानल नूनः यत्र तद्विक्रमाङ्गाङ्गयधर्मयूत्र दक्षकवर्ध
 नारुमकत्रव ससूनल कान् ॥ ॥ सूनन प्रियकरु ॥ नखाकि दक्षवर्धनाम ॥ मानूधना
 धी ॥ य ॥ मनदय सूनय रूयत्रयत्रियाटि ॥ ध्र ॥ यत्रगुणकरुव कडा नराटि सुतलनून
 यम विवृधनिकननकाति ॥ नत्रयति सवाकथूरुनयाटि त्रक्षगत ऊनसर्व वलं कि ३
 तलनूनजाति ॥ सगनमहालक्ष्मीक थिक थटि उरुनधत्रमयूत्रवत्र महितलखातिः
 ॥ ॥ नटीन ह्युपाननाथ धीधर्मयूत्रक महिसा नतादृश ॥ ॥ सूनन प्रिय समुचितकरु

ल ॥ ॥ सूनन हसूनन विरुद्धनक विधामकत्रव ॥ नटीन यानवन्नर नूनव ॥ विधाम ॥ ॥
 सूनन ह्युपिय धीधीऊय रूयती नुमसूदवमहाजाऊक भ्राह्म ॥ धीयर्धनाभायाखान
 नामनाटक नूनिनयकत्रयऊ नवचल ॥ ॥ नटीन नाथऊ ह्हाक भ्राह्मासकत्रव ॥ ॥
 सूननटी निष्ठागीयि ॥ ध्रुत्रिया ॥ चा ॥ नयतिनि दक्षसूनि चलगऊगमं न ऊनमलवऊ
 मदगतिरुव नयर्धनामरुमहा नवलाक नूनव ॥ ॥ यकानस सूनन ह्युपिय
 धीधीऊय रूयती नुमसूदवमहाजाऊ धिजाऊ भ्राह्म ॥ धीयर्धनाभायाखान ना

मनाटक नरुनक नृज उवचल ॥ नटीन नाथ विजय कनू ॥ द्विकानस नटी
नरु नाथ नाया विजय कनू ॥ सुबन पिथ चल ॥ ल॥ मयू ॥ ॥ ननू नाजा कय्यः
वति नाति ननू काय नाहि न वेति नायन मन्दि विपय न काट वा न धन वति सखि युव
शम ॥ नाग कल्यान ॥ न ॥ ननू यति ननू रंग दलय न वेति नट न रुव न ग न युज व मरुः ४
न ॥ नमनिक कय्य ना वति य नम सध न देहि ना ननू काट वी ननू य मरु ॥ व ॥ विनाय
नमन्दि सुद न धन न काट वा न विपय न नट निवेन ॥ उय रूप नी नृ क विरुष न न

नग य न थ म ना न थ नि वि स ग ॥ ॥ न ना कि रु पि य क य्य ना व ति पू जी न नू का वि श
न न्द य ना हि न मन्दि वे ति ना य न वि प य न का ट वा न रु म कि च्चु क रु व सु न ॥ ॥ सर्व म रु
ना उ म्ना रु क उ ल रु न ॥ ॥ न नू ॥ विष्णुः यु सा दा कि ल च क व रु रू म धु ल न न वि
ति यु सि द्धः ॥ व उ म्ना रु नी ति वि चा न द रु न टा ल र्ग न सु रु ना व वि षः ॥ रु पि य क य्य ना
व ती यु जी न नू का य ना हि न वि श्या न न्द मन्दि वे ति ना य न वि प य न का ट वा न उ ना दः
न क नी उ य द ना धि य ति न नू ना म ना जा रु म ॥ ॥ सर्व म रु ना उ स म् चि न ना रु क य

ल॥ ॥ कथं वा रुतसूधाधिय रुमन (गवचनसूनलहान्) ॥ ॥ गजानपिय कद॥ ॥
कथं वा (धमकः) ॥ धमासत्रचनु निराननासति क (धु) रुवधुलवात्रनागति ॥ विभाम्य
हं तातुवमविर्जमदा सुध रुलावध विनिर्जिता वति ॥ ॥ रुयावतल्लरुनुह निशुकाकपि
यउसा कथं वा वतिनामरुम ॥ ॥ गजानपिय उचिगकहल ॥ ॥ वनूकानरुपितासा ७
ता रुमन विरुपि सूनलहान् ॥ ॥ उशो यंगीकद॥ ॥ वनूका (धमकः) ॥ चनु ननाखः
अनचान्लाचना विम्वधवावाविउगर्कमला सविधुतावनमहीयतः सनाविभ

मिर्जगमधननूकामूदा ॥ रुपितासाता नतादही श्रुशलाककमनाननू अशनिपूगी
वनूकानामरुम ॥ उशो यंगीशुगुनकहल ॥ ॥ यवाहित रुनवाधिय रुमदू किचुवि
ह्लापनकचवा ॥ ॥ गजानपूवाहित नूलाकनू ॥ ॥ य (धमकः) ॥ वदधामुधनिचतासदाह
मपवायनाउपदवाचनानका विभनाद्यनिकननी ॥ रुनवाधिय नतादह श्रुकाकयूवाहित विद्या
नन्दनामरुम ॥ ॥ गजानपूवाहित उथार्थनूलाकनल ॥ ॥ मन्ति रुनवधव रुमदू किचु विरुपि
कचव सूनलहान् ॥ ॥ गजानमन्ति कद॥ ॥ मन्ति (धमकः) ॥ दातागुनिकनवागी रुपयासागवा

यसः। यविः। नाद्य रुवर्न मन्त्रि वेत्रिय नायनः॥ रु न मन्त्रि न रु न रु हा क स व क वे लि नायन नाम
मन्त्रि रु म॥ ॥ ना जान वेत्रि नायन आ ग्य क रु ल॥ ॥ का ठ वा न रु म हा ना रु म रु कि रु वि न ति कः
न व स स न रु न॥ ॥ ना जान का रु पा ल क रु॥ ॥ का रु म कः॥ य ग्या वा न धी म नां रु वा य रु ना स नायः
रु न क। स रु य नि ति वि स्वा ता य विः। ना ठ का ल र्य॥ रु म हा ना रु न रु न रु हा क द्वा न पा ल रि यः
य न ना म रु म॥ ॥ ना जान रि य य न रु ल क रु ल॥ ॥ स रि न रु म हा ना नि रु म ना कि रु वि न ति
सू न लि रु न॥ ना नि न स रि क रु॥ ॥ ध न व ति रु म कः॥ ना म्ना ध न व ति स्वा ता स्त्रा मि नी का र्य त

ल्य ना। ल रु गी ल गु ना य ना विः। ना रु नि क रु न॥ रु म हा ना नि रु नि रु हा क य रि वा रि का ध
न व ति ना म रु म॥ ॥ ना नि ध न व ति रु ल क रु ल॥ ना जान रु पि य क र्य ना व ति यू गी न नू का य ना
हि न वि या न रु म रु वे त्रि य ना य न रि य य न का रु पा ल रु रु न रु वि रु म क रु व॥ ॥ स र्व म
रु ना रु रु म रु॥ वि रु म॥ ॥ ना जान रु पि य क र्य ना व ति यू गी न नू का य ना हि न वि या न रु
म रु वे त्रि ना य न का ठ वा ल रि य य न वि वि रु रु व न रु न व रु ल॥ स र्व व स रु धा धि य वि रु य क
रु॥ ना जान नि स्सा री यि॥ रु पा लि॥ रु व॥ ॥ ना नि म रु वि वि धि व थ स रु रु ग म न रु चि व रु य व रु ल॥

विचित्ररुवन॥ ॥युक्तानस्रजाज्ञानरूपियकथ्यवावगीयगीवनकायवाहितमन्त्रिकाठ
 वात्रविचित्ररुवनजावचल॥ ॥सर्वमहाबाहुविजयकनू॥ ॥दिकानस्रजाज्ञानरूपयाः
 हितमन्त्रिकाठवात्र॥ ॥हाश्रुलाकयचिचिकयभाड॥ ॥रुममूनयूनजावचल॥ ॥यूमका॥म
 हाबाहुकभाहूमजासत्रहिकयनाम॥युवामहाबाहु॥ ॥स्वकादिकाननवाय॥ ॥सर्वरु १
 महाबाहुसत्त्वविजयकनू॥ ॥जाज्ञानलाकचल॥ ॥लूमयून॥ ॥वनादिनियन्त॥ ॥वनरूपिः
 यविचित्ररुवनजावचल॥ ॥सर्वमहाबाहुविजयकनू॥ ॥द्विसर्वरुमहाबाहुसत्त्वविजय

कनू॥ ॥वनलाकचल॥ ॥जाज्ञानरूपियविचित्ररुवनयकचलादेखनकविधामकनव॥ ॥सर्वः
 महाबाहुकभाहूम॥ ॥विधाम॥ ॥जानिरूपगीवनका॥ ॥हाश्रुलाकवनभानूगज॥ ॥वन
 कामागाकभाहूम॥ ॥जानिचासखियलिपि॥ ॥जाज्ञानरूपियभाहूमकानिकखिरुमचिरु
 याकलरुलकिचुकुरुवसन॥ ॥जानिमाहाबाहुकभाहूम॥ ॥जाज्ञाकिर्गुमव॥ ॥जागः
 नट॥ ॥चा॥ ॥सर्वदनिस्नूमनदयमात्रवानिनकनसूमखिभात्रमनात्रथहानि॥ ॥कनककमल
 समकचरुगदखि॥ ॥मदनदरुलमनविकलविसखि॥ ॥रुनरूपगीन्दुनयसूनरुसयानिय

सरुत्रतित्रसमूतसत्रजानि॥ वाजानरुपामवत्सुखलुत्रकाकिकनकवर्णव॥ ॥ वानिः
याननाथरुमभाकिचुविहृकिसुन॥ ॥ वाजानप्रियकद्र॥ वानिथाकिर्गमम॥ नटव
वत्र॥ य॥ नागत्रभाजसुनप्रियभाजवितनिकत्रमूवधान॥ ध्र॥ सुन्दरुडा ननूमदनसमान
रुत्ररुं मरुत्रलगयान॥ यद्रुसूयवृषसवगुणकनिधानकविहृयतीत्यनृयशान॥ वानिन
रुनाथरुमश्रुकाकडाहूनहिचिभू॥ ॥ वाजानप्रियकद्रार्थकनलरुखनकविधामकनव॥
वानिननाथकम्राहू॥ विधाम॥ ॥ वानिचासखियलिन्द॥ वनूकाहमागाह्यकासंशाननल

लहाम्र॥ ॥ वानिनयूगीरुलकनलवेस॥ ॥ वनूकाभूवाभूवस्थ॥ विधाम॥ ॥ यत्राहिनादि
दवर्लद॥ ययूरुमन्त्रिकाटवात्रवाकचर्चकियम्रनलाद्रुमहावाककनिठडावचलू॥ उशो
विद्यानन्दविजयकनू॥ द्विउशोरुविद्यानन्दसत्त्वविजयकनू॥ यूमन्त्रिकाटवात्रचलू॥ ॥ वि
द्यारुमहावाक॥ ॥ सि॥ उशोरुमहावाकरुमवयनाम॥ सर्वत्राकचर्चकनूभूयलाद्रु॥ ॥ वाज
नयूवाहिनरुलकनलनगरविजयकनू॥ ॥ सर्वमहावाकभूवस्थ॥ विधाम॥ ॥ वाजानरुला
कम्रकयनकावचलू॥ ॥ सर्वमहावाककम्राहू॥ वाजादिसर्वयर्हिचि॥ ॥ लक्ष्मयूर॥ ॥

विचीकरमदग्नि विमलानन्द निर्मलानन्द युवशम् ॥ काङ्कवा ॥ यन्निमान् ग्वला ॥ दधीचिसहिः
तुम्भमदग्नियुवश निगमनियूनमूनिना सजमरुग ॥ दृढयनिनलगु ॥ विजिगनि ॥ ११ ॥
सुविदिनरुगु कलकमलदिन ॥ अयकूपगीह नृपरुनयवश सुकलद्वितद्वः
कथथूनट ॥ ॥ निविकरूपुगुम्भमदग्नि निर्मलानन्द विमलानन्द किङ्ककरुवसून् ॥
सर्वमनिश्वन्नमाह्लाकवू ॥ ॥ विचीक ॥ ॥ विचीक नामा मूनित्रसिधमा पादात्रविर्द
चक्रतामसुद्धः ॥ समीपनाशासजतः सुधीयः ॥ बर्गविश्वामययतथागविष्ठः ॥ हू पूगुम्भ

दग्नि निर्मलानन्द विमलानन्द एतादृश दधीचिनाम तथाधनरुम ॥ सर्वतथाधनसहस्रः
ग्याक एलनूक ॥ उम्भमदृगात रुमन्नगमचवसून् ॥ विचीक पूगुकरु ॥ ॥ उम्भमदृगात ॥ विची
क तनयाधीमान् यमदग्नि विष्टतः ॥ पिरु रुकिन्नानि ह्ययविष्टता शुवालय ॥ हू गात ए
तादृश ॥ हू कपिथयूगुम्भमदग्नि नामरुम ॥ ॥ विचीक पूगुरुलकरुल ॥ ॥ निर्मला हू मू
निश्वन्न रुमन्नविनतिसूनलहान् ॥ ॥ विचीक निर्मलानन्द कद्रु ॥ ॥ निर्मला ॥ ॥ गितयू
जात्रताधीमा नवाह्ला नूविधायकः ॥ निविष्टनटनागमर्ग निर्मलानन्द विष्टतः ॥ हू मूनिः

ध्वज उरुन ॥ रुद्राक सवक निर्मलानन्द रुम ॥ त्रिचीक निर्मलानन्द आरुकरुल ॥ ॥ विमः
 ला रुम निवाक रुम वा विरुफि सनलक्षान् ॥ ॥ त्रिचीक विमलानन्द कद ॥ ॥ विमला (ध) क
 ॥ गवधुधनयत्रा सदा गितयत्रायनः ॥ विमलानन्द विरगाभा विरानरुनिक ननी ॥ रु. म
 निवाक उरुन ॥ रुद्राक सवक विमलानन्द रुम ॥ ॥ त्रिचीक विमलानन्द समुचिनकरुल ॥ ॥ १०
 त्रिचीक रुयुगुमदनि निर्मलानन्द विमलानन्द रुद्राक विधामक वव ॥ सर्वमनिध्वजः
 आरु ॥ ॥ विधाम ॥ त्रिचीक रुयुगुवदानदी स्नानक वव उवा उवचल ॥ सर्वगयाधन विक्रयः

कन ॥ त्रिचीक सर्वनिस्सावधि ॥ ना वि ॥ ख ॥ रुगुकलय निचलुजा उव उखन रुगनया विनिः
 भवा रुख विक्रमन ॥ य मची रुयुगु वदानदी स्नानक वव उवा उवचल ॥ ॥ सर्वगयाधन
 विक्रय कन ॥ द्वि सर्व रुगयाधन सुख व विक्रय कन ॥ मची लाक चल ॥ ॥ ल ४ मयू १ ॥
 वन्नादिय लिन्दू ॥ ॥ वन रुद्राक रुद्राक विधामक वव ॥ सर्वमहा वाक रुद्राक ॥ विधाम
 ॥ ॥ वन वाका रुद्राक वान रुद्राक रुद्राक मानस वदानदी स्नानार्थ आडा न रुद्राक ववान
 आनगन ॥ ॥ का व सुधाधिय रुद्राक ॥ महा वाका रुद्राक वदानदी निकट उवा उवचलः

॥ ॥ अवागय ॥ यथा अवागदीयकचलाक कडाहलमानस आडातकिनहिसकस्त्रिवरुव
 ॥ य विष्णुम ॥ ॥ मचीकादि उभनयेसा नन्द ॥ य मची रुयूय अवागदि स्नानक नउडा नव
 वल ॥ ॥ सर्व तथा धन विजयक न ॥ ॥ द्वि सर्व रु तथा धन अवागदीयकचलाक स्नानसः
 धा तय्येन पूजाक नलहा न ॥ मचीक यूय नवध क रुवा क रुल ॥ ॥ थना स्नानयाय हाव ॥ ॥
 काट रुम निहा क रुम नय नाम महा बाडा ॥ ॥ हा क वडा डाल तत न विजयक न ॥ ॥ मचीक रु
 का व पाल रुक्मि क रुट क न वा रुम क व उ सा का कडा नवचल ॥ ॥ सर्व तथा धन विजयकः

न ॥ ॥ काट वा रुम हा बाडा ॥ ॥ हा क रुम रु तथा धन व जाय न न ला रु ॥ ॥ हा ॥ ॥ स हा खन कः
 न ॥ बाडा दि दान ॥ ॥ सर्व रुम निध न रुम बा सव हि क य नाम न तय विजयक न ॥ ॥ मची स्वः
 सिद्धि न मु ॥ ॥ महा बाडा रु रु ॥ ॥ विष्णुम ॥ ॥ न न बाडा मचीक मूनि का वाव दान खा माल क ॥
 बाडा रुम निध न न क य ल क न न क निमि रु ॥ ॥ हा क व जाय न न ला रु स स न ॥ ॥ मचीक महा
 बाडा रु रु क न ॥ ॥ न न बाडा न रुम निध न रुम वि क बा न न का नाम नि क या रु लि स म रु रु
 त व न न हि य वे रु न क डान क रु वि स रु रु क न ॥ ॥ मूनि रु व स धा धि य रु हा क क बा दि

यमूर्ति, गच्छि कश्चुत, वजन हि यथा, तदर्थं स्वयं वन विवाह कम् ॥ ॥ ग्राहान, तथा धनम्
वध्य ॥ विष्णु म ॥ ॥ मची क, वज्र हान ॥ ॥ रु, महा ग्राह, रुम न्ययन मर्दि बजा, उव न्ना ह्या दिय
॥ ॥ ग्राहान, मूनि ग्राह, स्वयं वन दिव स, नय यद्गुच लवा हिय, विजय कम्, रुम ना सव हि
कयु नाम ॥ ॥ मची क्का दि, वलं यि ॥ मची क, रुला क, महा ग्राह, कर्षा खन क, वल नूनः ॥ १२
न निरु मर्दि बजा, उव च ल ॥ सर्व, तथा धन विजय कम् ॥ यकान स, उहा सां ॥ ॥ द्वि का, सर्वः
रु तथा धन सख न विजय कम् ॥ मची क, ला क च ल ॥ ॥ ग्राहान, रुला क, स्वयं वन साम ग्री

संघ लिट् क वव ग ॥ ॥ सर्व, महा ग्राह, विजय कम् ॥ मचा दि, यलि यि ॥ ॥ लू ५ मय १२ ॥ ॥
मची क्का दि, निर्यं ॥ ॥ मची, यु, रुला क, निरु मर्दि बजा, उव च ल ॥ ॥ सर्व, तथा धन विजय
कम् ॥ द्वि, रु तथा धन सख न विजय कम् ॥ ॥ मची, ला क च ल ॥ मची क, रुला क, न्ययन मर्दिः
नय यद्गुच लाह, रुन न क विष्णु म क व ॥ सर्व, तथा वन नू वध्य ॥ विष्णु म ॥ ॥ मची क, रुला कः
सु न गृह ग्राह, उव रु व ॥ सर्व, मूनि ग्राह, रु न्ना ह्या ॥ मची क्का दि, यलि यि ॥ ॥ लू ५ ॥ ॥ मचा दि,
सर्व, यलि ॥ ग्राहान, रुला क, रु न न क विष्णु म क व ॥ ॥ सर्व, महा ग्राह, रु न्ना ह्या ॥ विष्णु म

नलाह॥ ॥आज्ञानकाटवानरुलकचलरुमरुतकचव॥ ॥आज्ञानरुमरुआज्ञवीनसनवि
 चिगसनचलसनविक्रमसनआर्त्तिगनैकन्यासायमचनिसिहविजावचयथडालाहचहिन
 सनविक्रयकच॥ ॥सर्वमरुआज्ञनूवध॥विग्राम॥ ॥मय१३॥अन्नादिसर्वभयनीययः
 ॥ ॥विचीकादियलिन्द॥विचीकरुलाकरवभकविग्रामकचव॥सर्वतथाधननूवध॥विग्राम
 ॥विचीकादिदवलीयि॥विचीकरुलाजनूआज्ञनिमलुनकयआखलगतनकाचवचल॥स
 र्वतथाधनविक्रयकच॥यडशासी॥ ॥द्विसर्वरुतथाधनसुखचविक्रयकच॥विचीकरुलाक

१४

चल॥ ॥अन्नादिसर्वभयनीय॥आज्ञानरुकाटवानराहधलवकवाचनानागबलाकवृकुः
 चकनानू॥ ॥कामरुआज्ञनूवध॥यकाहुमानसिहविश्वसिहधलवाजनलनलवा
 ॥आवह॥धलिदवलीयि॥यमाहुविश्वसिहकाटवानकआज्ञरुलगतनकाचवचल
 ॥ ॥विमानसिहचल॥ ॥द्विउरीरुकाटवानगवबलगेकिभूकिआज्ञ॥ ॥काटवानरु
 मानसिहविश्वसिहआज्ञनूकादविक्रयमचनहुनललरुवाधलवाजनवजाचन
 गबलाकवकुचकनानू॥ ॥उरीकाटवानकआज्ञ॥ ॥माहुविश्वसिहवाजनवजा

८. लाक वरुल कचव ॥ ॥ विमानसिंह रत्न ॥ ॥ ता हा हा ॥ हत गच वासि लाक विचिउ
 वला लेका चयहि क ८. ज्ञाऊ न ल काकवीक साय मच उरु सव रुल वाह सव रुं वरुन
 रुनुनाड ॥ ॥ विरुलाक लवाय न लवाहि ॥ ॥ दं पिं थो न क ॥ उ हो रु काठ वा न ॥ ॥ हाः
 क आग्ना ॥ न गच हि वि नय लाह ख सि दि या ॥ ॥ का रु मान सिंह वि श्व सिंह ॥ ॥ ख सि दि रुः
 ऊन क म ॥ ॥ उ हो काठ वा न गच ल गो कि नू रु म बा डा ॥ ॥ ॥ का मान सिंह विः
 श्व सिंह का रु ॥ ॥ ध लि द व ली पिं ॥ ॥ रु वि श्व सिंह काठ वा न व रु न ख वि चि रु ल स ल य न य न

१५

य न जा न व च ल ॥ विमानसिंह च ल ॥ दि वि रु मान सिंह भा गा श च ल ॥ सा वि श्व सिंह च लः
 ॥ ॥ काठ वा न न रु म हा बा ऊ न ग च वा सि ऊ न व रु न रु ल ॥ ॥ बा डा न रु ल क ८ ल य स
 ॥ का म हा बा ऊ नू व ॥ वि धा म ॥ ॥ वि ची का दि द व ली द ॥ वि ची क यु रु ला क न नू का सा य
 म च रु ख व ग ८ ॥ सर्व म था ध न वि ऊ य क नू ॥ दि सर्व रु म नि श्व न स ल व वि ऊ य क नू ॥ वि ची क ला
 क च ल ॥ ॥ वि ची क रु म हा बा ऊ ॥ बा डा दि रु म था ध न रु म बा स व हि क यु ना म ॥ ॥ हि ना स न वि
 ऊ य क नू ॥ वि ची क ख नू सि दि न मु ॥ म हा बा ऊ नू व ॥ वि धा म ॥ ॥ य बा हि न रु म हा बा ऊ न

नूकाद्वीक, पूषमालाद, असराहान नूनिचथू ॥ ॥ जाजानयू जाहिन नूवथू ॥ रु, प्रियकर्य
जावति, अनूकाद्वीकद्विवावमालीकनन, यहिबा, पूषमालादय, सराहानयथयदिच
थू ॥ ॥ जानिन, मरुजाजऊ नूग्या ॥ रु, पूणी, द्विवावमालीकनन, यहिबू, पूषमालाल, नूसखि
सहिन, सराहाननडाड ॥ अनूका, माता नूवथू ॥ ॥ समालराव ॥ वू जाहिन, रु जाऊ, पूणी, रु हाकपि
ता, नूग्या, क, नूलकि, नूक, नूनक, जाजासववकुल, रुलनूक, उद्विकाथम, रु हाकाव, नूक
रु, रुद्विका, पूषमालायहिबा, नू, पुनामक, नू, रुग्या, मि, रु हाकाहा, नू, ताह ॥ ॥ अनूकान, स्त्रान

१५

मालकाद्याव्वाजापनिषायकुमदग्निक्रवायक॥रूपवृषवत्तुमवयुनाम॥॥वीजसन
रुविचिगहनविक्रमसनवत्तसनदखरुवासवहिककृतिरिक्कवायकधववउयगलिहः
सरुवनहि॥॥सर्वश्रुनाछानकडानरुनिश्चिष्टसरुव॥॥वाजादिनगमनन्याय॥सर्वः
रुवनवाजचिकावगोरुवाकडकविकन्यावरुनिवाजासवककृतिरिक्कवायकधववउयग
लिगाहुरुमवासवहिकनूनादवकवलरुभाहवाकवारिलयजावउशिवलकृदुरुसमूरव
न्रावरुयूद्धकवरु॥॥वनवाजाहृयिथगाहवासवदूरुखकवजावउदूरुभयूद्धकवरु॥वा

निन, मरुवाकुकुल्लु॥ यल्लिपि॥ ॥ वीजसनादि, रुजनयडविस्तानकिक्केरुसमखग्राव
रु, रुमवचनसुनरु॥ ॥ वनवाकान, कृषियाधमकरु॥ ॥ वीजसनाकि, यड, म॥ नाट॥ थ,
उय॥ नययतिवन, नाहं, रुगुमान, सवयवरावकयरुवचयवान॥ ॥ वीजसन, रुमनकाः
धमलरुवयवृषार्थकषस, मयनकिवल, उयवानाह, नहिना, वारिलय, उयवाह॥ ॥ वाः १०
आदिरुय॥ उमदग्निनयाकाखाकायरुपिना, सवदुवाकाक, न्या, यड, क, उयवाह, रुतक
उलाह, किहखिवरुव, मृतः, यव, रुमयड, क, व॥ विचीकन, रुय, गुरुमवावेकनकायड, डचिन

नहियवहु, वाकाकवकानितधनयड, क, यवमिन्॥ ॥ उमदग्निन, रुमरुवाक, श्रसवः
कमृवा, यड, क, उ, श्रुकाकयवागुत, क, उलक, वासक, नूमानिन्, उहिसवहिक, सहावरुमकववः
॥ ॥ वन, मयियु, रुमकिकरुव, उरुन, श्रुकाकयिच्छ॥ ॥ वन, नाह, यवाहिन, श्रु, उवेसिचद
॥ य, मरुवाक, मृत, विधाम॥ ॥ उमदग्नि, रु, कृषियाधमसव, वदुगगर्वजनकवहु, रुमः
वचनसुनरु॥ ॥ वीज, रिक्काधमकरु॥ उमदवाकि, यड, म॥ नाट॥ थ, उय॥ नधमनन
गसवनक, गगुमान, मृचि, म, वरुम, सवकयवान॥ ॥ वीजसनादिवध॥ ॥ सालिकगय॥ उम

कनि, रुमहा बाज, श्रुहा कसुसुहा न कयल, उहिसवहिकर्माससा नितादि गंधहा ॐ श्रुक्, कन उक
 श्रुगुता उवहव ॥ ॥ सर्वमपियुगुवध ॥ सर्वयसिपि ॥ ॥ विरुसवस ॥ दथंद् ॥ कोनिक ॥ यु ॥ या
 गिनी सहित नन रुव न युयान रुवशक न वसा निगम ध्यान ॥ रुवत रुया गिनी गणमपियुगुन
 कवाजा सवसा नल श्रुक्, नत उजा उसा निगमासादिरुक् न क न व वत् ॥ ॥ उहो मरु रुवत विजय १८
 कन ॥ ॥ उमनी लिहाय ॥ लुन मय १९ ॥ ॥ नचादि यलिन ॥ नन बाजान रुलाक मपियुगु रुमन सः
 न सवहिकसहा न क उलदि नृय न नान रुलखन क विधाम क न व ॥ ॥ सर्वमहा बाज, उरुन डवि

न ॥ विधाम ॥ ॥ नन बाजान रुपिय लोकि कसहा वना बाखल वाहिय, नन काक, चिवाह, कवा उव
 ॥ सर्वमहा बाज, उरुन समुचित ॥ बाजान रुमकि विवाह सा मयी डय श्रुगु न कन ॥ ममहा बाज कः
 श्रुक् ॥ बाजान रुकाट वा न हा रुगय नी लाक क वजा उ नान ॥ ॥ का महा बाज नृवध ॥ ॥ युका
 रुगय नी लाक महा बाज क श्रुगु रुलव बा श्रुगु ड ॥ ॥ यु विधाम ॥ ॥ गय नी येसा न मन रु ॥
 मालव ॥ या ॥ नृपति निधन रुलजा उव नान हा नि नय न व नृय नृरि म न काज ॥ ॥ मय २० ॥
 यु, यरु रुमना न मा नृनिकाट वा न वजा डाल, उा न उजा उव वत् ॥ उहो यु राव निवत् ॥ द्वि, सः

वृहकाठवाचकिनिर्हमवासवहिकवजाडाल॥ ॥कारुगभयनीलाकसकार्यमहाबाः
उकहमाहचल॥सर्वकाठवाचचल॥ ॥कारुमहाबाजगभयनीलाककवजाडनूनसिह॥
सर्वहमहाबाजहमवासवहिकयुनामकिनाग्यकवेकिय॥ ॥बाजानहमभयनीलाकवनूः
कादविकविवाहकवेकिसंगलभयडसवकलनवमिभूतवडाडालिहवेस॥सर्वमहा
बाजउनाग्य॥ ॥विश्राम॥बाजानहविशाननहहृहाशकभादानकहामादिकर्मभारवकव॥ ॥
यूमहाबाजभूवश॥यहमभयनीलाकवनूकादविकयुसारुनिकनयग्यमन्यननिहथ॥ ॥

भयनीयूवाहितकनाह॥ ॥गहमहाबाजीबाजकुमाजीयसारुनीकववि॥ ॥वानिनभयः
नीउहभउचित॥ ॥वनूकादवियासमालहावमहाल॥ ॥यहमजीकमूनिहृहाशभूयनय
उजमदग्निक्सरुसुयहमभुपनूनिउथ॥मचीविशाननहभूवश॥ ॥उमदग्नियासमाल॥ ॥
यहमहाबाजहृहाशयायादिलनचल॥बाजानयूवाहितभूवश॥ ॥यहमन्त्रिहामसामगीभा
नू॥ ॥मन्त्रिविशाननहउनाह॥महयूवाहितहृहामसामगीसलहान्न॥यूमन्त्रिरुल॥ ॥सर्व
विश्राम॥ ॥भयनीहयूवाहितबाजकुमाजीयसारुनिकननानलि॥यूवाहितकोठुकागभन

त्विच्छथ ॥ ग॥ य॥ वा॥ हित॥ न॥ व॥ ध॥ ॥ ॥ द्वि॥ ग॥ न॥ य॥ रा॥ न॥ य॥ ॥ य॥ वा॥ हित॥ ह॥ म॥ वि॥ य॥ ॥ क॥ ना॥ स॥ ग॥ ल॥ य॥ व॥ क॥
 न॥ न॥ ॥ ज॥ ज॥ न॥ ॥ क॥ ना॥ ज॥ ज॥ ड॥ ड॥ य॥ थ॥ ना॥ हा॥ म॥ ॥ ॥ य॥ वा॥ ह॥ क॥ म॥ द॥ नि॥ ह॥ म॥ न॥ द॥ वि॥ ह॥ श॥ द॥ ह॥
 य॥ क॥ ति॥ क॥ क॥ क॥ न॥ व॥ न॥ क॥ न॥ व॥ ॥ उ॥ शो॥ य॥ वा॥ हित॥ न॥ व॥ ध॥ ॥ ॥ य॥ म॥ हा॥ वा॥ ज॥ ह॥ श॥ वि॥ सु॥ ब॥ ल॥ न॥ व॥
 ह॥ य॥ वि॥ सु॥ वा॥ वि॥ सु॥ वा॥ वा॥ वि॥ सु॥ वा॥ य॥ नि॥ ग॥ य॥ नि॥ ॥ ॥ ज॥ वि॥ सु॥ वा॥ य॥ नि॥ ग॥ य॥ नि॥ ॥ ॥ य॥ वा॥ य॥ ॥ वा॥ २०
 वा॥ य॥ य॥ नि॥ ग॥ य॥ नि॥ ॥ ज॥ वा॥ य॥ य॥ नि॥ ग॥ य॥ नि॥ ॥ ॥ य॥ म॥ ध॥ य॥ क॥ म॥ ध॥ य॥ क॥ वा॥ म॥ ध॥ य॥ क॥ य॥ नि॥ ग॥ य॥ नि॥
 ॥ ज॥ म॥ ध॥ य॥ क॥ य॥ नि॥ ग॥ य॥ नि॥ ॥ ॥ य॥ न॥ वा॥ च॥ म॥ नि॥ य॥ ॥ वा॥ न॥ वा॥ च॥ म॥ नि॥ य॥ य॥ नि॥ ग॥ य॥ नि॥ ॥ ज॥ न॥ वा॥ च॥ म॥ नि॥ य॥ य॥ नि॥

ग॥ द॥ मा॥ मि॥ ॥ वा॥ ज॥ न॥ ह॥ व॥ म॥ क॥ ल॥ क॥ न॥ य॥ ॥ वा॥ य॥ वी॥ त॥ ल॥ ल॥ हा॥ म॥ ॥ ॥ ज॥ न॥ व॥ ध॥ ॥ व॥ म॥ न॥ नि॥ य॥ न॥ वा॥ च॥ म॥ या॥ य॥
 ॥ ॥ न॥ वा॥ दि॥ ॥ क॥ ना॥ य॥ ॥ ग॥ ना॥ वि॥ य॥ व॥ वा॥ न॥ य॥ नि॥ न॥ न॥ क॥ ना॥ म॥ नि॥ स॥ ल॥ क॥ वा॥ म॥ क॥ ना॥ ॥ य॥ ज॥ य॥ नि॥ द॥
 व॥ ना॥ स॥ न॥ द॥ वा॥ ज॥ ॥ ग॥ ना॥ स॥ ह॥ य॥ व॥ वा॥ स॥ म॥ वा॥ क॥ स॥ म॥ नि॥ य॥ ना॥ य॥ ज॥ म॥ क॥ नि॥ स॥ म॥ नि॥ व॥ वा॥ ॥ स॥ व॥ न॥ क॥ म॥ य॥ वी॥ त॥ ल॥
 ना॥ ह॥ स॥ य॥ द॥ द॥ ॥ ॥ व॥ न॥ न॥ स॥ वि॥ ति॥ वि॥ या॥ न॥ ॥ ॥ व॥ न॥ स॥ ना॥ स॥ वा॥ र्थ॥ द॥ कि॥ ना॥ जो॥ ल॥ का॥ दि॥ क॥ द॥ वा॥ न॥ ॥ य॥ ह॥
 ग॥ य॥ नी॥ लो॥ क॥ म॥ ग॥ ल॥ ॥ उ॥ ह॥ म॥ हा॥ म॥ क॥ न॥ व॥ ॥ ॥ हा॥ मा॥ दि॥ ॥ ॥ ग॥ य॥ नी॥ न॥ का॥ व॥ न॥ म॥ हा॥ ल॥ ॥ ॥ न॥ य॥
 ति॥ क॥ मा॥ वि॥ मि॥ ल॥ ल॥ व॥ न॥ स॥ म॥ चि॥ त॥ स॥ न॥ म॥ ध॥ न॥ य॥ ॥ स॥ वि॥ मि॥ लि॥ न॥ अ॥ त॥ म॥ ग॥ ल॥ गी॥ न॥ स॥ व॥ वि॥ हि॥

तविवाहकचीन॥ ॥भय॥यूहलाकलाजहामकनव॥सर्वपूनाहिनकुमाहा॥नियन॥
यग्यधूनक॥ ॥यूहलाकहामादिकर्मरुलननःपवपूर्णकनिकनव॥सर्वपूनाहिननव
॥॥भक्तः॥यथावसिष्ठधरुवह्यनूधतिप्रियासुखात्यानूजानतदसायथाहवधीरुद
येकवासिनीतवसमायननस्यराजन॥यूहलनविष्कालकीवदुमाकायधिकातसिष्ठका
नूबधतिनूह्यनपुननकानधिकथितहनननकादवीशहाकाहाथ॥सर्वनधामु॥ ॥वाजान
हयपूनाहिनरुदकिष्मलि॥यूहल॥हलाकयहसपूर्णरुलननकविष्मामकनव॥ ॥सर्वपू

बहिरुक्तं श्रुत्वा ॥ सर्वविधमम ॥ ॥ गमयनी रुमहावाड महानानी रुमवास्वहिकयनाम नृपनयः
 वजायिष्ठि नृश्रुत्वादिथा ॥ ॥ वाजान रुगमयनी लाक ॥ ॥ वस्तुनिकननलिन्नजाड ॥ ॥ गमय महाना
 उक्तं श्रुत्वा ॥ गमयनी नियंति ॥ य रुमनाममा नृपनी नृपनय वजा नवचल ॥ उक्तो यरावतिचल ॥ य
 उक्तो ॥ ॥ द्वि उक्तो रुयरावतिनावाश्चल ॥ य हाकचल ॥ ॥ ॥ नृपेसावन् ॥ सारंग ॥ ख ॥ जान
 वननृनिकठ रुमसूनवाड ॥ ॥ ॥ वनूकादवीकरुठकनवकाड कामधेनूकोठुकदव रुमनाडः
 ॥ मय ॥ ॥ य रुम ॥ ॥ नृ वनूकादवीकसायमव विवाह रुल ॥ ॥ कामधेनूकोठुकदवगन ॥ ॥

द्विरुभसुखमजापव॥ ॥ रुमनूनाज॥ सर्वरुदधनु रुमनयुनाम॥ ॥ मघिन रुदधनु नखधित
 युतायामु॥ ॥ नाजान रुदिनासन विजयकन॥ ॥ रुवध॥ ॥ विधम॥ ॥ रु रुमनूकाद विरुहाश्
 यथीरुनावातननाथजिनसलनूक विवाहुरुल रुकामधनऊडगुकलिन॥ ॥ ननूकासुवः
 यतिनवध॥ ॥ मचीकमरुनाज रुमनासवकनूयननासमजापवनाहृदिया॥ ॥ नाजान
 रुयिपमनूकाद विकविदादययथाउ॥ ॥ नानिन रुयगीसखिसहित रुहाकजाउ॥ ॥ ननूका
 रुयिनामाना रुमजापव रुमनयुनाम॥ ॥ नाजान तथाधन विजयकन॥ ॥ मचीकादि नि

२२

सानमनयि॥ मची रुलाकनूयननासमजापवचल॥ सर्वतथाधन विजयकन॥ ॥ नासक
 नि॥ य॥ नाविगजापवरुमनूयनरुवनरुतन रुकनवतयउऊनऊनन॥ ॥ धु॥ जितलसायम्वन
 यतिसगन सहित ननयवधूनमनिननन॥ ॥ पुउरासी॥ द्वि सर्वरुतयान सुखविजयक
 न॥ मची लाकचल॥ ॥ मय॥ ॥ नाजान रु रुहादिलाक ननरुवनतजापवचल॥ सर्ववसुधाधि
 यविजयकन॥ ॥ रुहादि सर्वनिर्ययि॥ ॥ पुउरासी॥ ॥ द्वि रु रुमनू रुमनू मनावगीजापव
 ॥ सर्वरुदधनु विजयकन॥ रुमनयुनाम॥ ॥ सर्वरुमरुनाज सुखविजयकन॥ नाजान लाकत

[illegible][illegible]

[illegible]

श्रुविजयकनू॥ ॥महादवादि निस्सारमयि॥ गोत्री॥ ख॥ निविज्ज्वावनगमनसूत्रदनिस्सल्लितस्व॥
ननयन्वुजसूत्रसविनं निविनिज्जसदन॥ एकान्महादतरुपिथपावर्त्तनीयुगल॥ धनकूमावनन्दि
रूणीकलासजाप्रवचल॥ सर्वप्रित्ताचनविजयकनू॥ द्विस्वर्द्धुचन्द॥ धाषननूविलंविनविजयकनू
॥ ॥महालाकचल॥ ल॥ मयू२॥ ॥अन्वादि पलिन्द॥ राजाकूलाककृष्णकृतिधामकनव॥ सर्व्व
सूधधियज्जगद्ग्राही॥ विधाम॥ ॥राजान्कूलाकविचित्ररुवनजाप्रवचल॥ सर्व्वमहाबाहुविजयकः
नू॥ ॥अन्वादि निस्सारमयि॥ राजविजय॥ ॥॥जिगलसमबद्धमन्यपनिस्सगनसानन्दिनप्रखनता

वित्तज्ञा एव च लू नृप नरुवन गगध न गद गव द न ॥ वाज्ञा न यु रुसा क विविगु रुवन ज्ञा एव च लू
 ॥ सर्व मिह नाना विजय क नू ॥ ॥ द्वि सर्व रुम रुना नाना वा श्व विजय क नू ॥ वाज्ञा ला क य लू ॥ मयू ३ लू
 २ ॥ ॥ मची कादि निय नू ॥ मची रुसा क नृप न नाना म म ज्ञा एव च लू ॥ सर्व तथा धन विजय क नू ॥ द्वि ३
 सर्व रु तथा धन सत्त्व न विजय क नू ॥ मूनि ला क य लू ॥ ॥ मूनि रुसा क नृप न मं दि न य रु स ला रु रु २५
 न क विष्णु म क न व ॥ सर्व मूनि वा ज्ञ नृ व ध ॥ विष्णु म ॥ मची रु य गु रु म ती र्थ ज्ञा न क न नृ नृ ॥ ॥ ३ ॥
 म दग्नि पिता विजय क नू ॥ ॥ मची कादि द व सी यि ॥ मची रु निर्म लान न न विम लान न न ति र्थ ज्ञा न क न व

ग एव लू ॥ ड र्को तथा धन विजय क नू ॥ द्वि रु ड र्को मूनि धन सत्त्व न विजय क नू ॥ मची ला क य लू ॥ ॥
 न नृका रु म र्खी का म धन क नृप न क य न रु ग न ॥ सखि वा ज्ञ य नी नृ व ध ॥ सखि य सिंघि ॥ ॥ ३ म द
 दग्नी किं ई गाना ॥ ३ रु पि य ता रु न सो द य द खि रु म न वि रु धि न रु कि रु क रु व स न ॥ ॥ न नृका यान
 नाथ नाना क नू ॥ ॥ स नृ वि यान मा ॥ न ट ॥ ॥ ॥ ना ग वि वा ख रु हिया य न य व र न स नि भा न ॥ ॥ ॥ य नृ व स
 रु न रु ल य नि न रु ल मा न पा डाल ता रु न स मा ज ॥ न य नि दि व स म न म थ स न रु दि रु न रु लि रु डाल न न
 य म सा रु ॥ रु न रु य ती नु नृ य य रु क व च न स नि रु न म स रु ल क नू नाना ॥ ॥ मयू ४ ॥ ३ रु पि य ता रु न क

लाहावकतककरुव॥ ॥अनूकाहृयाधनाथरुमनाकिङ्कणावसून॥ ॥उप्रियकङ्क॥अनूकाः
किङ्कणावम॥सार्जगी॥॥॥सून॥गाववइववाडमनदयभ्राऊ॥॥॥सुयदुवदनशशधवसमकुल
नरुनिसिखकावनयनभावरुल॥कयरुलनूवलादुदयदुखदुववतिथतिसमवैठसून॥कवि
रूपगीतुनृपहनननूकलविमखडचितनहिमनावथयन॥अनूकाहृयाधवसून॥॥॥कचातुर्यद
खिकुलार्थरुलिङ्क॥॥॥रुप्रियरुलनूकविधामकवव॥अनूकानाथनूवण॥विधाम॥॥सखिपतिनू
॥सुहृवाडयुगीकामधनूकलयानकनायननसिङ्क॥॥॥नानिधनवतीरुलकनलवेसू॥॥सखिवा

२१

ऊकमाविडग्राह॥विधाम॥॥॥रुप्रियसंधाकनकववगन॥अनूकानाथविडयकनू॥ऊमदप्रिय
लीपि॥॥॥मयूजल३॥॥॥नावद॥गकलदासमथूवादासयुवगम॥यरुबिया॥ल॥विधिसूननाव
दरुवनवखानसूखगधवदिगनिडमनिधान॥मनुनियूनकलिजननसूडा॥नगगनगसननूकि
वठुवसयान॥॥॥गकलमथूवादासयवमसहाननूकनिसिखवरुलरुविठुगगन॥रुपतिवासव
मूनियववगनाननिगमतानकवसकडानहिजान॥॥॥मयू३॥॥॥नावद॥रुगकलदासमथूवादाः
समथूवादासरुमकिङ्ककरुवससून॥॥॥उकोमूनिवाडग्राहाकनू॥ना॥॥॥रुबधगवूगड

वृक्षतल्यत्रः मूनीध्वानादबसाद्विधावगः कलिषिथानावदनाठकालर्यविशमशुद्धीधवमव
 नासकः ॥ ६ ॥ कूलदासमथवादास नवादशकमलसंरुवमानसावतनावदरुम ॥ ॥ उशो
 मूनिवाजसुखमाहाकनल ॥ ॥ गमरुमनिवाजकमद्रुकिक्कविहृयिकवव ॥ नागमकूलदासकः
 ॥ ॥ गमरुमकः ॥ नवसेवावभाधीमान् दासगमकूलविश्रुतः प्रविशानटनागमर्गविवयादाचनवत ॥
 रुमनिवाज नवादश ॥ १ ॥ कसवकगमकूलदास नामरुम ॥ ॥ नागमकूलदास इथार्थकरुल ॥
 मरुगिकालरु रुमवाकिक्कविश्रुतपनसुनलरुम ॥ ॥ नावदमथवादासक ॥ मथवा ॥ गमकः ॥ मथ

२८

वादासविश्रुता मूनिस्वायवायवः विश्रुमिनटनावासं रुवयादाकपयदः ॥ रुगिकालसग्यनरुन
 रुकसवकमथवादासरुम ॥ ॥ नामथदासकाग्यकरुल ॥ ॥ गमकूलदासमथवादासकनकविः
 धमकवव ॥ ॥ उशोमूनिवाजकवव ॥ विश्रुम ॥ नावदरुगमकूलदासमथवादास विष्कृकन्राहा ॥ वन
 कादवीकरुठकववग ॥ ॥ उशोमूनिवाजविजयकनू ॥ ॥ नावदादिनिस्सापि ॥ काही ॥ वा ॥ रुमि
 कडकरुमकाववग ॥ रुठविवनकादविश्रुकवगकाज ॥ ववाकववसनान ॥ ॥ मयूना ॥ यकान
 सडरासी ॥ दिउशो रुमूनिवाजसुखविजयकनू ॥ नासाकवल ॥ ॥ सु ॥ ॥ कमदग्नियसिन्द ॥ ॥ रुस

न निरुद्धः एकविंशमकवत् ॥ यन्नाथः जगद्गुरुः ॥ विंशमः ॥ मचीकृदि द्रवलीद ॥ मचीयुहनिर्मलानन्दवि
 मलानन्दनिधजिवाकः ॥ जगत्पलाकः ॥ जयनन्नाधमकाः ॥ जवचल ॥ ॥ उरुतथाधनविक्रयकः ॥ द्विउरु
 रुतथाधनसत्त्वविक्रयकः ॥ मचीलाकवत् ॥ ॥ मनिरूपगुणमदग्निः ॥ ॥ सर्वरुतथाधनरु
 मनपनामः ॥ जयविक्रयकः ॥ मचीयुगजवत् ॥ विंशमः ॥ ॥ नावदादिउमनयोसाजन् ॥ युनाह २८
 लाकविष्णुकः ॥ जगद्गुरुः ॥ नकादविक्रुटकवत् ॥ उरुमनिनाकविक्रयकः ॥ ॥ द्विउरुतथाधनयः ॥
 नाद्विहृग्नकलदासः ॥ मथुनादासः ॥ यवानदिज्ञानकः ॥ जलवत् ॥ गदरुवत् ॥ जगज्जवत् ॥ उरुमनिध्वज

जगद्गुरुः ॥ ॥ ज्ञानसावः ॥ उरुमनिनाकः ॥ सत्त्वविक्रयकः ॥ नालाकवत् ॥ ॥ नावदरुतथाधनः ॥
 सर्वरुतथाधनमनिरुमनासत्त्वहिकः ॥ पुनामः ॥ ॥ जगद्गुरुः ॥ सत्त्वविक्रयकः ॥ नातथाधनजवत् ॥ विंशमः ॥
 ॥ ॥ मचीरुतथाधनमनिः ॥ वायादिललरुगः ॥ नातथाधनजवत् ॥ ॥ नाहृवनकादविश्विष्णुकः ॥
 ग्नाश्रुमग्नः ॥ जलकिं ॥ ॥ लाकरुटवाहिरुः ॥ ॥ वनरुमनिनाकः ॥ किं ॥ जगद्गुरुः ॥ जगद्गुरुः ॥ जगद्गुरुः ॥
 रुगः ॥ ॥ नाहृवनकादवि ॥ विष्णुयिगद्गुरुः ॥ जगद्गुरुः ॥ ॥ लाकडदः ॥ विरुश्रुमः ॥ जगद्गुरुः ॥ जगद्गुरुः ॥
 नाउगावत् ॥ सजानिः ॥ ॥ लाश्रुसावधानवत् ॥ रुमज्जवत् ॥ ॥ ॥ वनकाः ॥ जगद्गुरुः ॥ ॥ लाकयिच्छः ॥ रुमकि

कहल॥ ॥सखि रुमरुवानि, रुमबलाव नूनलिहान्न॥ बानी, सुमध्वमाकहु॥ ॥सुमधाकः॥ सपूर्णचतु
वदना नीला लाल दल कन। दिवा चामिक बासा, समनाम सुमध्वमा॥ रुमरुवानि, नृनिष्ठा कय
विश्रानिका, सुमध्वमाना मारुभा॥ ॥बानि, सुमध्वमारुल कहल॥ सहप्र, रुपिय खड्ग लक्ष्मी राग्य लक्ष्मी,
मन्त्रिका छया लक्ष्मी नृक विग्राम करवत॥ ॥सर्व महाबाज उन्नत॥ ॥विग्राम॥ सहप्रिय खड्ग लक्ष्मी ३२
श्री राग्य लक्ष्मी, मन्त्रिका छया लक्ष्मी सकल ज्ञान वचत्॥ ॥सर्व महाबाज विक्रम॥ बाजादि सर्व नि
सान मन वि॥ यहुनिया॥ ५॥ ना विगतज्ञान वस राम भुवन राज, जन न नाग न नू न र्गज वकाज॥ पछि

कसमाड ॥ ॥ पुडरासी ॥ द्वि सर्वरुमहाबाड ॥ क्षाबाश्चिजयकन ॥ बाडान लाकयल ॥ ॥ मयू १० सु ५ ॥
 मयीकादियलिन् ॥ मयी रुलाककन न कविग्रामकनव ॥ सर्वतयाधनकज्राहा ॥ विग्राम ॥ ॥ बनूका रु
 सखिकदाचितायि ॥ नन नू नवधा रुयिग्रह ॥ ॥ स रु बाडयूग ॥ वागमयाधनकक रुवगन ॥ रु न
 थाधन बाडकमा नि प्रसव वथाडनेदुधि ॥ ॥ मयी धनवमिरुल प्रसू कादिवडा वन प्रथाडाव ॥
 ॥ ॥ रु निम्मलानन्द प्रसू का मु ॥ आतकि वडा न नानगन ॥ ॥ निमूनि बाड कज्राहा ॥ निर्मयुक्तान ॥
 स रु आतकि प्रसू का मु नि बाड कज्राहा ॥ क्षाबाश्च न न न न ॥ विग्राम ॥ ॥ आतकि प्रसू यिकातिर्य

[illegible]

38

ल॥ ॥ मयू॥ ल॥ ॥ मरुदवादिप्रोक्ता नन्द उभन॥ मरुदवादिप्रोक्ता नन्द उभन॥ मरुदवादिप्रोक्ता नन्द उभन॥
 दिरुं ग्रीकोलासजा नवचल॥ सर्वमि साचन विजयकन॥ ॥ द्विसर्वरुतदुषाचन नवविन विज
 यकन॥ म. लाकचल॥ मरु. रु. लाक मयन मदिन यकचला रु. रु. न कविप्रामकनव॥ ॥ सर्व॥
 धनक मयू॥ विप्राम॥ ॥ मरु. लाक स न नरुजा न नरुत॥ सर्व. वाम द न मरु॥ ॥ मरुदवादिप्रो
 लिपि॥ ॥ मयू॥ ल॥ ॥ मची सर्व यलिन्॥ मची. रु. य. न म दग्नि यो विष्णवस् विष्णुजिन् वामः
 निर्मलानन्द विमलानन्द रु. न न कविप्रामकनव॥ सर्व. तथा धनक मरु॥ विप्राम॥ ॥ मची. रु. य. न म

३५

[illegible]

नकनवगन॥ध,नाउपूणीविजयकन॥ ॥तिर्यपि॥पुंडरासा॥दिध,रुनाउपूणीतनाश्रुविजयकः
 न॥न,धनवनीचल॥ ॥उ,रुपूणीविष्णवध,दि,नखननखनन,नाउवकाधनकननरुवचल॥डः
 हो,पिनाविजयकन॥ ॥उमदनि,यसि,पि॥मय,१३सूत॥ ॥महादवादि,यसि,न॥म,रुसाक,खनक
 विष्णमकनव॥सर्वचन्द्र,गणनउ,ग्राह॥विष्णम॥ ॥नाम,दवर्त्तद॥य,नाम,रुमम,रुन,दुनिकटका
 उ,न,धननकनव॥दि,रुमसलन,नाउव॥ ॥रु,नेसाकनाथ,रु,रु,शस्यविवाचक,रुमनयुनाम॥ ॥म
 हा,रु,नामन,न,नाउ॥ना,म,रुन,दुन,वध॥विष्णम॥महा,रु,नामकिनिर्ह,गगनरुल,सकद॥ ॥

३६

ना,रु,पु,सावनपिनाक,ग्राह,श्रुम,श्रु,नाथम,सलुविद्यासिषय,न,लाह,सकयाकनव॥ ॥म,रु,ना
 मय,धीकरा,वावकन,नार्थ,श्रु,नाक,षलुम,न,व,ना,न,ल,न,न,माया,लिकटि,य,न,ध,स,य,विचयन,दि,य
 न,नु,रुमन,न,न,न,य,लाह,समलुविद्या,निधानकनव,रु॥ ॥नाम,युम,था,धि,य,उ,रु,न,श्रु,नाक,कया॥ ॥
 धन,विद्या,सन,तिर्य॥म,रु,नाम,श्रु,ना,धन,विद्या,सिख॥ना,नेसाकनाथ,उ,ग्राह॥ ॥रु,नाम,रुम,न,य,साद,
 रु,रु,शस्यमलुविद्या,निधानरु,लाह॥ ॥नाम,रु,नाम,दव,रुम,न,य,नाम॥ ॥महा,रु,पि,य,य,नू,नाम,क,पू,व,नः
 उ,न,दि,न,वि,रु,थ॥ ॥या,रु,ध,न,उ,ग्राह॥महा,रु,लाक,शागर्मदि,न,नाउ,न,रु,व॥सर्वचन्द्र,गणनउ,ग्राह॥ ॥

महादवादि यत्ति ॥ ॥ ॥ ^{ना} ॥ अरूदि, येसा बभन् डमन ॥ अरू, यरू लाक, सरू लाक नडा ॥ उवचल ॥ स
 र्वमहाबाज विजयकन ॥ ॥ दि, सर्वरू महाबाज, ता बा श्र विजयकन ॥ अ, लाक चल ॥ रू लाक सरू लाक नयक
 कन ॥ उक विग्राम कन ॥ ॥ सर्व, महाबाज ऊ ग्राह ॥ विग्राम ॥ ॥ ना बदादि, दव लंद ॥ ना, यरू लाक माहि वाति
 ऊ उवचल ॥ ॥ उरो मूनि बाज विजयकन ॥ ॥ दि, उरो रू मूनि बाज सत्व न विजयकन ॥ ना, लाक चल ॥ ना,
 रू महाबाज ॥ सरू, रू जादि रू मूनि न्ध नरू मय नाम, उरू उ विजयकन ॥ ॥ ना, रू सिद्धि नमु ॥ महाबा:
 ऊ न्ध विग्राम ॥ ॥ बा, रू मूनि बाज, श्रू हा श्रू कन ॥ सडा नाग मन रू ल ॥ ॥ ना, रू महाबाज सरू प्राई

३१

नऊमदग्नि क, आषम, गल कू लाक, ताहि आषम, तर्क नाकत कक रू व, काध नय साध ऊ मूनि न्ध न, रू
 तार्थ कू थि ॥ ॥ बा, मूनि न्ध न, काम त्वन कन ॥ यडा लदि ॥ ॥ ना, रू महाबाज, ऊ खन न नू काध वि क, विवाह
 रू ल, रू रु आ, उओ रु क, द लदि ॥ ॥ बा, मूनि बाज, श्रू हा क, आहू श्रू रू म, रू व, ग्राक जान ल ॥ ॥ ना, रू महाब
 ऊ रू मे, महाबूड निकट, ऊ उव, आध दिथा ॥ बा, मूनि बाज, विजयकन ॥ रू मय नाम ॥ ॥ ना, रू खणि मय ना
 पाहु ॥ ना, रू लाक महाबूड, निकट, ऊ उवचल ॥ ॥ उरो मूनि बाज विजयकन ॥ ॥ दि, उरो रू मूनि बाज सत्व न जिज
 यकन ॥ ना, लाक चल ॥ ॥ ना, बदादि, निर्यथि ॥ ॥ बा, रू लाक अक य न जा, उ न रू व ॥ सर्व, महाबाज विजयकन

॥ ॥ वाङ्मादि यल्लिपि ॥ लु ॥ मयू ॥ ॥ धना बवानदी नय ॥ ॥ बनकादि निर्यद् ॥ य बरुधन वनि न
वाङ्मा नक न नका नवचल ॥ सखि वाङ्मा यणी विजय क न ॥ द्वि रु वाङ्मा यणी सत्त्व विजय क न ॥ बधनः
वनि चल ॥ ॥ बनका रुध वनि बवानदी यद्वा लु ॥ लान यडा क न व ॥ ध वाङ्मा यणी ज न्ना ह ॥ ॥ धर्न ३८
मा लु यडा व ॥ बरु सखि लान यडा क न लु ॥ न न क विद्या म क न व ॥ ध वाङ्मा यणी न व ॥ विद्या म ॥ ॥
द्वि कान स ॥ ग म्मादि यो लान म न ॥ व स न ॥ वा ॥ द र व क स म ग रु न ॥ ध ॥ लान वचल न विलि च न व
न क न व न वानि क म न ॥ य य रु म नि न व न वान दि हान क न नका नवचल ॥ म य य क न वचल ॥ म द्विः

रूपयककनसुखत्रयल॥यमनिबलत्रयल॥दमरूपयककनबतानदियदुचलादुज्ञानकनव॥यम
 निबलत्रयल॥ज्ञानयासाव॥॥यमरूपयककनसुखनकविधामकनव॥मययककनत्रयल॥
 विधाम॥॥बनकादुसखिदुसतंगधर्वालाकदखेद्विज॥धबाजयणीदखेद्विज॥बहुधनववति
 रूपयककनसुखललनूयननममकावचल॥॥धबाजयणीविजयकन॥द्विरूपयककनसुख
 ललविजयकन॥बहुधनववति॥॥मनिरूपयककनबतानज्ञानकनलनूयननममकावचल॥यम
 निबलत्रयल॥यद्विरूपयककनसुखललनूयननममकावचल॥उदवहननूकानपाककाव॥॥

मय १५२ ॥ ॥ जमदग्निप्रतिष्ठा ॥ ऊरुयुग्वनकविद्यामकवत ॥ उरुयिनाऊग्राह ॥ विद्याम ॥ ॥ ऊ-
 वनूका नमजलसमजगति सुजगताकास नहि नालि नृत्तिकि वृत्ताकशस रुमध्यानदृष्टिदखव
 ॥ ॥ ध्यानयाय ॥ रुम ॥ वृत्तकज्ञानस ॥ ॥ वनूकादियेसात्रम ॥ सारंगी ॥ ॥ ॥ गजिमुखि सिधिलगमन
 ॥ ॥ ध्यानविभक्त ॥ वचसु रुचिनिनयन मनिवचनि ॥ मसदन ॥ मय १५३ ॥ ॥ पुत्रसखि निवृत्तसल ॥ नृपयनम
 दिवका ॥ वचसु ॥ स ॥ वाजयुगी विजयकन ॥ द्वि ॥ सुह ॥ वाजयुगी सख ॥ विजयकन ॥ ॥ वधनवनिचसु ॥ ॥
 वनूकस्वामी ॥ नमजलसलसह ॥ नृमवयनाम ॥ ॥ जमदग्नि नमवाय ॥ रुपायिद्वि वनूका ॥ नगवाका

३२

स कि विलंबक ॥ सुह ॥ नाहव ॥ रिवा सयुयनी रुसिह ॥ नाहव ॥ कायनिहि ॥ जग ॥ वृत्ताकन ॥ उकाह ॥ ॥ ल-
 यनिआकावकाय ॥ ॥ वनूकनाथ ॥ वृत्तन ॥ नाग्याकीक ॥ वृत्तिक ॥ नृमव ॥ गवस ॥ सुन ॥ ॥ सखि ॥ रुतयाधन
 वाजयुगीक ॥ नृपयाधनहि ॥ वृत्तन ॥ नृकवि ॥ ॥ ॥ मव ॥ रु ॥ ॥ सा ॥ ॥ विनू ॥ नृपयाधहि ॥ सुय ॥ रु ॥ नृकस ॥ माहि
 विद ॥ गवस ॥ नकहि ॥ नृदिय ॥ दखन ॥ काव ॥ नकाहि ॥ वृत्त ॥ वका ॥ नका ॥ नगव ॥ नगहि ॥ ॥ नाव ॥ वनू ॥ नवय ॥ निपाडा
 वक ॥ लंक ॥ महि ॥ वृत्त ॥ नव ॥ दन ॥ सहि ॥ नृप ॥ नव ॥ मव ॥ दग ॥ वास ॥ ववहि ॥ नृप ॥ नृक ॥ नसि ॥ वृत्त ॥ वसा ॥ रुहि ॥ ॥ मय १५४ ॥
 वृत्तनाथ ॥ रुम ॥ वनू ॥ नृपयाधनहि ॥ वृत्तन ॥ नृकवि ॥ ॥ ॥ ऊरुयुग्विद्यावस ॥ वृत्त ॥ नृक ॥ ॥ उरुयिनाऊ

[illegible]

यद्गुमवाक्यिताश्चान्नान्कनसद्धिन्ननञानव॥ द्विगुमसुखवञानव॥ ॥ महादवहृलाकर्मद
 वनिकतनञानवचत्॥ सर्वचन्द्रगवविजयकव॥ महादवादिनिस्सारिणी॥ नाट॥ यु॥ मृगसिम्ह
 नचत्तुधनिनर्मसिद्धन॥ ध्रु॥ युगसिन्धुसुमिन्नगरुन्मनमथवानसमन॥ यद्गुलाकर्मदवनिकतः
 नञानवचत्॥ सर्वयुमथाधियविजयकव॥ द्विस्वर्गुलिसावनसुखवविजयकव॥ मत्साकचत्॥ ॥
 मय॥ १८॥ १९॥ गुमदग्निसर्वगायनम्॥ ॥ यर्गवामदवर्तद॥ यवामद्गुमवाक्यिताश्चान्नान्ननञान
 नव॥ द्विगुमसुखवञानव॥ हृयिताहृमाताइकृताहृमवयुनाम॥ ॥ यामहृयिताकिनिमिरुहृ

[illegible][illegible]

वक्षस्तान् ॥ मयू ॥ दहू रुधिय दिगवासा दिगवसना दिगं सूका दिगम्वरी रुमकिदू कुरुवससुन ॥
 सर्वथागीनु ब्राह्मकनू ॥ दहू (ध) कः ॥ विद्यानयधायनिर्गसमुवाहामीनक्षत्रासत्रतासूधीनक्षदहू
 जयाश्वाहू विलाक विद्धता वृजाम्यहं सांनिक नर्तनमदा ॥ रुधिय दिगवासा दिगवसना दिगं सूका
 दिगम्वरी उमादृशनावायनीस दहू जयहूम ॥ सर्वपानवहससुन ब्राह्मकनू ॥ दिगवाहू पाननाथः
 रुमबविहू फिसूनलहानू ॥ दहू धियकदू ॥ दिगवा (ध) कः ॥ विद्वत्पुनिराकासा रुमयंकऊराननार्थ
 विलाथागनिवता दिग्भासानठनालय ॥ रु पाननाथ उमादृशी श्रुहक धियहूम दिगवासा नामहूम ॥ दहू

४४

धियसम्वितकहूल ॥ दिगवहू नाथ रुमब (ग) ववसुन ॥ दहू धियकदू ॥ दिगव (ध) कः ॥ चतुः
 षष्टिकला शिहू यावत्तामीकवयरा विलाककुरुवासाखा ताधुवालयमादवात ॥ रु नाथ उमा
 दृशी श्रुहकवलरा दिगवसना नामहूम ॥ दहू धियउचितकहूल ॥ दिगं हूयोवावहू रु
 मबविहू यन सूनलहानू ॥ दहू धियकदू ॥ दिगं सू (ध) कः ॥ मदागऊदुर्गांशुहा सदागवा इतिव
 स्रहा गनियरा दिगं सूका वृजाम्यहं नटाक्षी ॥ रु पानवहू रु उमादृशी श्रुहक मनानू नक्षत्रनि दिगं
 सूकानामहूम ॥ दहू धियऊहू कहूल ॥ दिगं ववी रुस्वामि रुमबविनकिसूनलहानू ॥ दहू धिय

कुरुमन्त्रनाम॥ ॥गणेशरूपिताश्चक्राग्र्याश्चयर्गनामकसमस्तविद्यानिष्ठात॥महादत्तपूज
 लकजलवेस॥ ॥गणितार्कशास्त्रा॥विद्याम॥ ॥महादत्तादिगयर्गय॥ ॥सप्तसूत्रादियर्तिद॥
 वाजाह्लाककृष्णजकविद्यामकत्रव॥ ॥सर्वमहावाजकृष्ण॥विद्याम॥ ॥वाजाह्लमन्त्रिकाष्टयत् ४३
 ॥ह्लाश्लाकयाधासहितसियाहिलाककवहुत्रकजानूग॥ ॥उक्तोमहावाजकृष्ण॥ ॥मन्त्रि
 कृष्णवीरमहावाजाकृष्णसियाहिलाकवहुत्रकजानवगजवत्॥काठमन्त्रिविजयक॥ ॥
 मन्त्रिकाठवात्रकवत्पि॥यकानर्सउहासी॥द्विक्कुरुमन्त्रिनावाश्चात्रवत्॥मन्त्रवीरवत्॥ ॥

बानीहृस्वीसीमलजलजानूग॥समहावात्रिगवत्॥ ॥सखियर्तिपि॥गुरुनरूपिपुरुहाश्च
 लाककवृयजोवनदखिरुमत्रचिरुचश्चरुसकिङ्करुवसूनु॥ ॥वानिउक्तोपाननाथगुरुकन
 ॥गुरुभाकिष्टगात्रम॥गुरुपानमानानट॥या॥गुरुमानकवृदानग्रधनमध्याना॥धु॥कनककः
 मलसमज्ञाननगात्रनयनस्वश्चनवगजात्रयत्रहमनात्रधमात्र॥विधुमखिविरुसिविलाकुरु
 थात्रहृत्रविरुत्रहडाचकात्रसूनुधनिरूपमीडवात्॥ ॥मय॥गुरुपियगुरुवासवहिकककि
 कनककुरुव॥ ॥वानिउक्तोहृपानवत्सुरुहमनासवहिकविरुफिसूनलहात्र॥वाजापियकुरु॥

वानिउरुकिष्टं गम ॥ सनवविनक्ति मा ॥ वहीगडा ॥ ५ ॥ कविय (गवज) वधान, ग्रावसम्वि
ननहिमान ॥ ध्रु ॥ शिवविहिन, गवला, गस्यान, कामकला, गसविधिकिदु, डानजान ॥ सनवसव
कुकलासमधान, लालसमक्ति, विमृत्तहयमीन्द्रान ॥ ॥ मय ॥ उहीरुयाननाथ, रुमबासकुक
जिवजोवन, श्रुकाकनधिना ॥ बाजा, प्रियसम्वितकर, लखनकविधामकनव ॥ उही, महाबाजकः
ग्राय्या ॥ विधाम ॥ ॥ सखियलिन् ॥ स, रुमहाबानि, सीतलकल, ललहा ॥ बानि, सखिरुल, ग्राठव
स ॥ स, रुमहाबानीकग्राह ॥ विधाम ॥ ॥ मन्नादिदवर्त ॥ य, मन्नि, रुलाकमहाबाजकनिकटडा ५

४१

वचल ॥ सर्वसुमनविजयक ॥ द्वि, सर्वरुसुमन, गायाविजयक ॥ सलाकवस ॥ ॥ सर्वरुमहाब
ज, रुमबासवहिकयनाम ॥ मन्नि, रुमहाबाज, सीयाहिलाक, वडा ५ गानस ॥ बाजान, सुमनरुलक, नलवे
स ॥ सर्वमहाबाजकग्राह ॥ विधाम ॥ ॥ बाजान, रुचियरुमबासवह, सिक्काबखला, नवग, नाराहबाजकपू
वडा ५ वडा ॥ बानि, महाबाजकग्राह ॥ ॥ बाजान, रुलाकसिक्काबखलायडा ५ वचल ॥ ॥ सर्वमहाबाजः
विजयक ॥ बाजादि, गुरुल, निस्साब ॥ धनाष्टी ॥ वा ॥ धनूषवानलयडा ५ व, गहन, नहन, स्रक, नम, गम
वव, नखन ॥ य, कानसीड, रासी ॥ ॥ द्वि, सर्वरुमहाबाज, सलवविजयक ॥ बाजान, लाकवस ॥ ॥

यानि रुसखिजाडाधविमहाबाजनहि, अडागाहनाडाधवि, अकपूवडा, अचरुव॥ सखि महायानी वि
 जयकर॥ ॥ यानि सखियलियि॥ लूमय॥ ॥ अमदग्नि सर्वकाम धन सहित यतिन् ॥ अरुसाकः
 दृष्टा अकविग्रामकवव॥ सर्वमनिवाड अग्राह॥ विग्राम॥ ॥ बाजादि सर्वगिर्यिद् ॥ बाजान पुहसाक
 सिक्कावडा अचरुल॥ सर्वमहाबाज विजयकर॥ ॥ धना सिमातय॥ द्वि बाजान रुसाक ह्यमदग्नि त
 थावन यद्वचलाह अत अ नूनकमृगसूकयादि बहूत यथय भनक अ सिक्कावकर॥ ॥ सर्वमहाः
 बाज अग्राह॥ ॥ अरुलम॥ कोनिक॥ ल॥ अचरुसवहू मितिविपिन विहाय महिषसूकयमृगकव

४८

वसहाय॥ मय॥ ॥ अरुपु रुसाक नूनकमृगसूकयादिमात्र सयमदवाप्रमदख अडा अचरु
 ल॥ सर्वमहाबाज विजयकर॥ बाजादि गिर्यि॥ अरुपु रुमनिग्गव अरु अरु द्रव कति क रुमयासवहिः
 कयनाम॥ ॥ अखरु सिद्धि वमु॥ रु महाबाज अरुपु रुडा अहिनासन विजयकर॥ अरुनादि तथाधन
 अचरु॥ विग्राम॥ ॥ अरु महाबाज ह्ययायादितलहाअ॥ ॥ बाजान तथाधन अचरु॥ ॥ बाजान
 रुमनिवाज ह्यकाकदवसन रुकाथ सलाह अतः यवहू मयन मदि बडा अचरु अहादिया॥ ॥ अ
 मदग्नि रुमहा बाज अरु अयविसाक कि नू अडा अ नू आयि न॥ ॥ बाजान मनिग्गव अरु काका अमः

मयि जाहल नत यवनकु उरु हा क म्नाह ॥ विद्याम ॥ ॥ उमदग्नि रुसुमत रुहा जन सामग्री लेल हा म्ना ॥
सुमत सुनिवाड उ म्ना ॥ ॥ बाजा मदि जाहा वरु खडा नख द्वाय ॥ रुसुमत उ ना वरु करु लक लस
प्रमान दवे कि न रु काम न रु म बा क मा गि दिय ॥ ॥ मदि रु महा बाज वरु सल य रु हा श्रु कि क व व
न रु न उ नू क हि न ॥ ॥ बाजा न रु धा यि सु नि ध व क क रु ग न ॥ मदि रु महा बाज नू व धा ॥ ॥ मदि रु उ म
दग्नि सु नि रु महा बाजा श्रु न क रु व व क व रु थि ॥ ॥ उ रु मदि कि न्ना हा क व रु थि स रु ॥ ॥ मदि सु नि
ध व बाज या म्ना काम ध नू म ने रु थि ॥ ॥ उ रु सु मत रु काम ध नू म्नी ध न रु म व न हि ॥ ॥ मन्त्री रु महा

बाज म्नी ध न क रु रु थि न हि द ल क्रि ॥ ॥ बाजा न रु मदि रु म मा गि ल व व ल ॥ मदि रु महा बाज उ म्ना
॥ ॥ बाजा न रु सु नि ध व रु काम ध नू रु म व या म्ना रु म बा दिय ॥ ॥ उ रु महा बाज स रु प्रार्त्त न व रु
स रु व न रु चि त न हि न रु न रु हा उ नू क वि न्ना ॥ ॥ बाजा न रु का रु याल रु काम ध नू ल न रु न ॥ काम
हा बाज उ म्ना ॥ काम बाजा न रु व ॥ उ रु महा बाज रु म व रु व व स नू ॥ ॥ बाजा न सु नि ध व क रु ॥ ॥
उमदग्नि या वि न ति म ॥ वि रु स ॥ धा ॥ न वाल नू व नि य ति नू न य व व न सु व रु जी व न भा व न रु व न
ख न ॥ दि उ ध न न क व रु स न ॥ ॥ मय ॥ उ रु महा बाज रु काम ध नू म्नी वि व य व रु क म नि र्वा रु का

मनस्वाधमकरुह ॥ ॥ बाजु से न्या किये दुर्म ॥ यह बिया ॥ य ॥ एधिविविध न विवकभा व समान,
नया व वय बाहु व की न गुमान ॥ ॥ मय ॥ धन से न्या विय ॥ बाजु से न्या न रु महा बाजु विय से न्या य
बाहु न क न य था डाल ॥ ॥ बाजान सा क रु ल क न ल ॥ ॥ बाजान रु वा क ध ध म किव ल क न रु रु
निती व च न स न रु ॥ ॥ कः ॥ ल क क क क ल स्या ॥ ध ग म स्या ॥ ध क ल ल क रु ॥ अ म क न य दः स्या ॥ ध ग्राः ॥ ॥ ॥
सा ॥ ध य धी वि ल न ॥ ॥ रु रु क क ध न क क उ रु न य न या ध न क क न रु ॥ बाजान सा जा का व रु य सर्वः
न ग स ॥ न न क न रु महा बाजु विय व ध उ चित न हि ॥ रु रु रु म न ल या य ॥ स व क न रु रु ॥ ॥ विष्णु व स

॥ ॥

न रु महा बाजु का ध य विया गि वा क ध ध ध म न रु न क न क वि न ॥ ॥ बाजान म या या व रु न या ल रु
वा ॥ ॥ बाजान रु सा क क म ध न रु न मा रु ष मी जा न व य ल ॥ सर्व महा बाजु वि रु य क न ॥ द्वि सर्व रु म
रु बाजु स ल व वि रु य न ॥ बाजान सा क य ल ॥ द व ल यि ॥ ॥ न न क न रु य रु विष्णु व स ॥ गी या पि रु ना
जा म ग या या रु न रु क रु सा रु व यि ता क ॥ न व रु क य क म ध न रु विल न ग स य रु वाम न रु न
न रु रु धि न्या व किक न व रु वि रु वि ॥ ॥ न न क किक न रु म ॥ ॥ सी क नि ॥ रु न ग ल मा ॥ रु वि रु वि
विधि वि य वि मा न रु ल न्या व किक न व रु म क दि व स रु ल ॥ स न रु व रु न मा रु स य य नि द ल न रु ध म

वृत्तिविह्वलितयत्नः॥ ॥ इहो ह्यमाता धेया कृत्तव्यं पिता कर्त्तव्यं पुत्रस्तथा हि ॥ ॥ म
य ॥ ॥ वनू कादि सर्वं गायत्री पूज्य ॥ ॥ आनिडो सखि पतिव्यू ॥ स्वर्गं कुरु निह्य मरुता कसिका वर
ल ॥ गलच्छिपि जडा गारुड खिन्नवत् ॥ कुरु कुरु जवन्ध ॥ विप्राम ॥ ॥ आडादि कुरुत्तु ॥ आडान्
युरुत्ता क कामधेनूत्तु माहिषा गीता नवचल ॥ सर्वं मरुता क विजय कुरु ॥ ॥ कामधेनूत्तु
वठ जूनर्थं स आडा श्रुत्या नल कुरु मरुता क विजय कुरु ॥ ॥ कामधेनूत्तु ॥ ॥ आडान्
ल कुरु कुरु निवन्धनं नल कुरु सखि निरुत्तु ल माहिषा गीता नवचल ॥ ॥ सर्वं मरुता क

व देवीमया मनाः स्वज्ञानविग्रहजगज्जगत्पि कित्तयगलिकिकवय ॥ ॥ द्विसर्वरुमहाबाजना
बाश्विजयकव ॥ जगज्जगत् ॥ बाजनालाकयल ॥ ॥ बाजानरुधियस्वज्ञलकीरुम्यलकी ॥ उरुहया
ननाथरुमबासहिकयनाम ॥ जगज्जगत्विजयकव ॥ बाजानरुधियज्जगत्विग्रहम ॥ ॥ मन्नादिनरुमहा
बानिरुमबासवहिकयनाम ॥ ॥ सर्वविग्रहम ॥ सियाहिरुमन्निर्गमगसूकबादिसलहान्न ॥ ॥ म
ज्जगत् ॥ सियाहिनरुमहाबाजनारुमबासवहिकयनश्चयजगज्जगत्विग्रहम ॥ ॥ बाजानरुमन्निर्ग
जगदययथ ॥ ममहाबाजनारुमबासवहिकयनाम ॥ ॥ सियाहिलोक ॥ ॥ वस्तुसूकवन्नलिता ॥ ॥ सिस्रमन्निर्गमगसूक ॥ ॥

रुमहावाज रुमवास्तवहिकयुनाम ॥ धूमरुलाक नयनश्चबजा नवचल ॥ सर्वधूमचलचल ॥
दिहधूमचल रुमाशचल ॥ धूमरुलाकचल ॥ निर्घयि ॥ ॥ वाजान रुलाकनकयुवजा नवचल ॥ स
र्वमहावाजविजयकन ॥ सर्वयतिर्घि ॥ ॥ ल३ मय १० ॥ ॥ महादवादिगयनंद ॥ विधाम ॥ यर्ग
नामरुनामरु ॥ धूमवमहाकदमसनकिन्नरुमवचिरुवाकलरु ॥ धूमरुनकनकावनकि ॥ म
हारुनामरुमध्यानदृष्टिदयवा ॥ ध्यानयाय ॥ रुयर्गनामरुकार्यनिमिरु ॥ श्रुलाश्चनवतावसलसे
कालसंघाक रुल लवाश्चनयननूपमजाड ॥ ॥ यर्गरुमहाबुद्धनग्राह ॥ रुलाश्चसयविवाचक रुः

मवयुनाम ॥ यर्गरुमग्रयनमदिबजा नव ॥ दिहमहावाश्चजा नव ॥ ॥ नामदवलीयि ॥ ॥ नावदादिनि
पंद ॥ नापुरुलाकमहाबुद्धनिठका नवचल ॥ उरोमनिवाजविजयकन ॥ दिउरोरुमनिवाज सः
लवविजयकन ॥ नालाकचल ॥ ॥ नासर्वरुमहाबुद्धरुमवास्तवहिकयुनाम ॥ ॥ महादवना
वद नवविजयकन ॥ ॥ नायमथाधियजग्राह ॥ विधाम ॥ ॥ महाकवनरुनायद श्रुलाश्चकन
नसंश्रयलकिन्न ॥ ॥ ना रुलेलाकनाथरुमविष्कग्राह ॥ धूमकादवीक संधककुरुलग नव
नंतयर्गनाम नवतावसल सहप्रार्त्तन वाजाश्च मगयावाज रुमदग्नि ग्रायमजा नवकि कसाः

[illegible]

यर्ष्यामन रुमयिता माता निकटजा नव॥ द्वि रुम सख बजा नव॥ ॥ यर्ष्य रुचि नामा ऊष्ठ शा ता
रुम वयना म॥ ॥ रुमा ता कं नृत्त कडा न रुठि श्रु रल॥ ॥ अनू का रुय गु यर्ष्याम या पि छः
कृति या धम सह प्रार्थन नृगया थाऊ ग्राधम संघाय रुल ना रु वयिता शु काम धनू क यु सा द बा ऊ
था ग्य सी रा ख न क ए ल क्रि सद खि तद्ः न न बा जा शु काम धनू मा ग ल ना रु वा पि ता शु बा जा कः
करु ल रुम हा ना ऊ षी काम धनू रुम व सर्व सि षट् कर्म निर्वहि का विनी उ रु न ऊ नू क मि उ न द न क
न बा जा शु व द न रु ० क ए ल न हि क ल क्रि बा जा सु का ध रु य हि न का क स्व प्न रु न षी नृ व ह्वा द य

कामधनरुविलयगल॥ ॥ यर्गुनामरुजननीरुविधाताश्लिषलसरुसडाकिरुवतयर्ब
 रुयिताश्लकाधयविह्यागकललकिरुतकननरुव रुययउलधेयकन॥ ॥ विधाम॥ याम
 रुयिता॥ उमदमिहूयूयर्गुनामरुमनडरुयकयासर्गयवर्तदरुगयग्राप्रमनिकठकनः
 वरुमनयानगल॥ ॥ असियराव॥ ॥ सर्वरुविधाताकीनरुहूदखडालरुहमनासवहिक
 कीनवहूडाउमरुविरुवि॥ मरु॥ वनकादि सर्वकननम॥ ॥ मरुह॥ वा॥ निवनिवकनव
 कडानयतिकाव ननरुडिगलमावजिवनग्राधव॥ कानयविसरुवउरुनदखरावनिगूग

३३

दासवहिकककदनडाकाव॥ ॥ मय॥ १२॥ सर्वरुमानाधेडकनूयिताकग्राहूशसर्गयवर्तडाउ
 दरुगयनिकठदरुदिडरुयकयाकनवयल॥ ॥ वनकाहूयूलाककिरुकरुवसन॥ सर्वमा
 नाग्राग्यकन॥ वनकाधूकः॥ मीनीदायसरुप्रानिगुधाम्मीनीहियूकगठरावावसनालहिसः
 वनयतिनासरु॥ हूयूलाकनितीउरुनकरुगुरुमरुदरुह्यागकनवश्रुशसाकतर्ध
 धर्मवकाकनवरुवमृगकलिडाडावयल॥ ॥ सर्वरुमानाहमनासवहिककिनवहूडाउ
 मरुनरुनकरुहि॥ ॥ गनराव॥ ॥ वनकाहूयूलाकग्रावधरुमडावह० उनकरुवि

॥ ॥ सर्वदीयक निस्सारिधि ॥ नाग दीयक ॥ ख ॥ वचन नूतन किं गल नारु द्रव गल यद्रुति न सक
ल उच्चरु निविव नका न क व व न न दारु ॥ य व नूतन रुयु लोका सय यि व न द रु नि क ठ का ए व
वत् ॥ ॥ सर्व माता विजय क न ॥ ॥ दि रु माता माता श विजय क न ॥ व नू का यु लोका क यत् ॥ ॥ ल
अ म य १३ ॥ ॥ द रु गु या दि ये सा न ड म न ॥ य द रु रु यि य या ग म धि न का ए व वत् ॥ सर्व या नि रु
विजय क न ॥ ॥ दि सर्व रु या नि रु स ल व विजय क न ॥ ॥ द रु यि य वत् ॥ द रु यि य या ग म दिः
व य द व सा रु क न न क वि ग्राम क न व ॥ ॥ सर्व सा मि न व य ॥ सर्व वि ग्राम ॥ सि मा न य य व न ॥

अ ४

नय ॥ ॥ म य १४ ॥ ॥ व नू का दि द व र्त्त ॥ य व रु यु लोका सय यि व न द रु स नी य का ए व वत् ॥
सर्व माता विजय क न ॥ दि सर्व रु माता स ल व विजय क न ॥ यु लोका क यत् ॥ ॥ व नू का रु द रु गु
या ॥ ॥ द रु रु व नू का द वी व उ ड लि यि द खे दि नू की व रु क ॥ ॥ व नू का रु द रु गु य श रु श
सर्व रु रु म की द ॥ ख नि व द व स रु पा र्त्त न क न ॥ न न र्थ रु य य उ ल स्या मि क नू रु रु क नि क ठ न
ए सा रु रु म बा द रु य क नि क या न लो कि क रु या नि र्वा रु क न ॥ ॥ द रु रु व नू का द वी ॥ स य रुः
म न द कि नि र्वा रु रु ए व रु म न द नू य ॥ ॥ व नू का रु रु द व ए रु म न नू क दि ए रु म श रु क वि क्रे दि

[illegible]

रु रुमनादकृवकमिकडरुनकृयाननकनमातामरुनिकठजावमरु॥ ॥ रुधनवनिः वृत्ता
 नरुमनायितामाताकककृगु॥ ॥ धनवनित्राडयूनीजग्राह॥ ॥ वनूकाहृदरागयः रुम
 नास्वामिकसबीनरुववाविरावहानुत रुमनसविनद्वन्तविरावरयकययऊनरुममनपी
 ० परयातिनरुत॥ अग्निपुवग॥ ॥ यर्गनामादिमृच्छ॥ ॥ दुरुहृविष्मवष्मदिपितामाताकड
 लाञ्छनीदिया॥ ॥ यर्गनामरुदरागयः श्रुकाकयसाद्विहृगन्रसरुमार्कनकसोनिनैडलीडलि
 दव॥ ॥ पुनिग्यायाय॥ तद्ः तनडरुनकृयादिकवव॥ रुमनासवदृजाववग्राहदिया॥ ॥ दुरुः

संप्रमविजयासु॥ ॥यर्गुनामादिद्वत्सीचि॥युनामरुजयशुभाविहसमसहस्रार्जनसंद्यानः
 कनवगनुचत्॥उहोहायिचत्॥दिधनवतिरुविष्णवध्वादिहमः॥रुहानकशहाकमातामरुः
 मातामहिकककवगनु॥ ॥सर्वधनवतिरुलजाड॥उहोहोहायिनावाश्चत्॥यहायिचत्॥ ॥द
 रुहयिचत्॥संधाककवगनुचत्॥सर्वधागिनुवध्वा॥सर्वधर्माणि॥ ॥सु॥मया॥ ॥वचा ५८
 दितियं॥युनामरुहाकविचिगुरुवनजाचत्॥ ॥सर्वमहाबाजविजयकन॥दिस्वर्हम
 हाबाजसत्त्वविजयकन॥बाजासाकवत्॥वधुहाककननुकविधमकवत्॥सर्वमहाबा

जकश्रुहा॥ ॥विधाम॥ ॥धनवतीरुवर्त्तइ॥यु॥रुहानकबाजा॥नानीकककवगनु॥दिहमनावाश्च
 जाचत्॥रुमहाबाजमहाबाजिरुमयनाम॥ ॥वनबाजा॥रुधनवतिवदुक्तडुक्तदधेद्वि॥किठः
 हाक॥धनरुमहाबाजश्चहाकायाचकोकिगुरुलतदः॥नममृगयायाडसहस्रार्जनबाजा॥प्रा
 मनिठटश्रुनुमनिबाजकमात्रिकामधनरुविलयगलतदः॥नमवधुकादविसतीगलिसययि
 चनदरुगयनिठटदुदुधकनिकश्रुनिसीकावक॥रुहाककोकिनयर्गुनामादिदिगविजयक
 ययगलवृथि॥रुमनाचनश्चयथाश्चदसदि॥ ॥बाजादिनरुविरुवि॥मनिरुमहाबाज॥सव

देवाधिपत्येयं कुरु ॥ बाजा मन्त्रिब्रतव्या ॥ बाहूलाक न सो वत्तान कवतग ॥ सर्व महाबाज उः
 आग्या ॥ ॥ बाजादियलियि ॥ ल ॥ ॥ सरुपार्शनादियलिह ॥ बाजा रुसाक कन उ कविधाम
 कवत ॥ सर्व महाबाज उ आग्या ॥ विधाम ॥ ॥ यर्ष नामादि दवर्तद ॥ य नाम रुक उ ज्ञानाचिरुः
 शरु सरुपार्शना सद्या न कवतग उ वत् ॥ उरो कनिष्ठ रायियल ॥ द्वि उरो रुसायि सत्य वत् ॥ ॥
 नामन रायियल ॥ सर्व पाविष्ठ क्वियाधम वाक्यमानि धन रुवन क न निधि क्वि वे सल क
 रुस मख अवरु यूर्द्ध क वरु ॥ ॥ बाजादि दान ॥ बाजान रुयिय खल लक्ष्मी रुहल लक्ष्मी रुम यूर्द्ध क

॥

वव ता रु बा सव क न क य व जा न वरु ॥ बानि महाबाज उ आग्या ॥ यलियि ॥ ॥ बाजान रुमन्त्रि काट वा
 य यूर्द्ध य बाहु क क वरु ॥ उरो महाबाज उ आग्या ॥ ॥ द्वि कान वन ॥ मन्त्रि काट पाविष्ठ वाक्यनाधम
 किवलया न र्गम म क व न ग्रा न ल कुरु ॥ ॥ यर्ष नाम रुसा र्ष रुसा र्ष रुक न उरि सव रु क र्ष रुः
 न क व ॥ उरो रायि न व ॥ ॥ विष्णु उरो रु पाविष्ठ मन्त्रि का रु व य व र्वाथ द वा वरु ॥ ॥ मन्त्रि रु वाः
 क ॥ धम रुम न व व न स न रु ॥ ॥ विष्णु उरो म न्वा धम क रु रु ॥ ॥ म न्वा क्वि यूर्द्ध म ॥ सार्जग ॥ उ न य
 थ य ॥ ॥ रु क क वा क न मो रु उ व न मा न व रु म रुय व रु स म न पा क न क व स रु किव उ व न र्म

खनरुह, ज्ञाव समननय साह का न गुन ॥ ह, वाक्क नाधम वरुह गुमान किह नेरुह, यनूयार्थ द व
 ल ॥ ॥ विश्ववस ह, म न्याधम वरुह नरुह का न नरुह नरुह, रुम व व व न स नरुह ॥ मरुिन वाक्क धा धः
 मरुह ॥ ॥ विश्ववसा कि यूर्द्धम ॥ सार्वग ॥ उ नू य थ य ॥ समरुव नरुह न ॥ रु य उ नू य द र व व रुम
 क य ल रु सम न न न ॥ गुमान न न रुम न उ य व रु क क न ग न ॥ य दू च ल रु यि य द म न ॥ ॥ व धः ५०
 ता व ॥ ॥ नाडा दान ॥ ॥ विश्व, रु शा यि, उ हि स व हि क सं द्या न क न ल ॥ नाम, रु यि रु ल क न ल ॥ नाडाः
 न, रु हि रु क वा क्क व रु न नरुह का न किह नेरुह, नू य न डि व ल न य उ न डा रु ॥ ॥ य नू नाम रु क

जियाधम, ता रु रुम ना यि ता क, मा व ल रु, ता रु न सा नि न यि ह न ल न क न व ॥ ॥ नाडा न रु वा क्क धा ध
 म गुमान न नरुह, रुम व व व न स नरुह ॥ ॥ य नू नाम, रु जियाधम रु रु ॥ ॥ स रु पा र्श ना कि यूर्द्ध ॥ क
 रु ॥ वा ॥ स रु रु नू धम द्वि उ स न य न रु न नू व न्ध न य न रु डा क न व स रु न ॥ नाडा न रु वा क्क धा धम ता
 रु य नू यार्थ, द य ल, ति क ति क ॥ ॥ म य ॥ ॥ य नू नाम, रु नू या धम ग र्व ड न नरुह, नू व न्ध ता रु ना क य म
 ला क य थ ता रु रुम व व व न स नरुह ॥ ॥ नू र्श न रु द वा क्क न रु रु ॥ ॥ य नू नामा कि यूर्द्धम ॥ का रु ॥ वा
 ॥ नू य ति स रु स, रु उ न न नू रि मा न, य नू य रु न रु डा रु न व य नान ॥ म य ॥ ॥ ॥ ध ना क न यि या य

ॐ॥ सा सा द्वा पात्थी ॥ ॥ वाय्या ग्राका धवानि ॥ ह्यर्धं नाम नृक बाह दश् विष नृमृ न कृ पिका न
कृ नर्धे दि नृमृ नृक बासा विन हि हान न यर्धं यदा नृमृ न कृ पिका स्वधु न क नृ न ख न नृक
न यश्च त्वा पिका नृक ॥ ॥ नाम यर्धं न नृग ल स या ल सा व या य ॥ नृमृ न कृ पिका न य च या य सा व ॥
अर्क न व ध सा व ॥ ॥ यर्धं नाम वा या पि रु धा र्क संह न क नृ ल नृ य न नृ मृ मृ क नृ व च ल ॥ उ र्को रु पि
च ल ॥ द व र्सी यि ॥ य उ र्सा सी ॥ दि उ र्को रु सा पि ना वा श्च व ल ॥ नाम श्च रु शा ना व ल ॥ ॥ सा ति क न य ॥
ना नि उ र्को य ति नृ ॥ रु स खि नृ न नृ रा ग्य दे व रु म वा द स्वा डा ल की क नृ व क न य क नृ व ॥ रु पि रु

५१

वि ॥ मृ क ॥ क नृ ध म ॥ वि रु स ॥ वा ॥ य रु मा न स म र्धं क ड ल न नृ रु नि रु वि क नृ व क ड न य वि ध नृ न
नृ कि क नृ व ॥ क नृ नृ ध नृ रु म क नृ व कि क रु व नृ हि रु स ग नृ क ड न य वि नि व रु व ॥ ॥ म य ॥
॥ स खि रु म रु ना नी धे र्ध क नृ ॥ ॥ य ति यि ॥ ध ना वी नृ व स ॥ ॥ ना नि य ति इ ॥ ख रु रु स खि रु
न नृ क वि ध म क नृ व ॥ स र्वी म रु ना नि क नृ ग्य ॥ वि ध म ॥ ॥ ना नि उ र्को रु स खि नृ नृ य नृ व वा ना न
सी क नृ व य ल ॥ स खि म रु ना नी वि क य क नृ ॥ य उ र्सा सी ॥ दि रु स मा रु ना नि स ल व वि क य क नृ ॥
ना नि स खि च ल ॥ ॥ द व र्सी यि ॥ ॥ सा नि ॥ म य ॥ ॥ य र्धं नामा दि यो सा नृ म ॥ ग्रा सा व वि ॥ वा ॥

पञ्चमस्कन्धः

५२

दिगयतिडि निरु मक उत्सं ग्राम ज्ञानवता विरु निरु ग्रामा सुविदि नय वध्वान्मा बनाम पृब
लनृ किम न काम ॥ ॥ मय २० ॥ य धर्मा नाम अकृता तापि रुहा कर्त्तुं स्यात् कृतं नृय नर्म दिव जा नवत
त ॥ ॥ उरु रूयि विरुय कन ॥ दि रुता ता ता वा श्व विरुय कन ॥ य रूयि वत् ॥ ॥ विष्णवत् रू दिव्यः
जित् यर्ग नाम नृय न ग्रास मय दूत ला दू कन नृक विष्णम कन व ॥ उरु रूयि श्व वत् ॥ विष्णम ॥
विष्ण रू रूयि न वान दि नृ सो च कृ वा श्व माता मरु निरु ट जा नव वत् ॥ उरु रूयि विरुय कन ॥
दव लीयि ॥ पु उरु रूसी ॥ दि न वान य ॥ विष्णवत् रू नृ सो च सान कन व ॥ रूयि श्व वत् ॥ ॥ हान रू

नी क रुत न कन व ॥ सर्व मरुता ज्ञा ज्ञा ॥ ॥ न वा दि द व रूा व म ॥ न व ती ॥ ख ॥ वि रुत न क
न नी स व ल म न जा नि स न ग वा ख व भा हि निरु सु न जा नि ॥ रूय नी नृ न व य नि निरु म नि वानि
नृ वि व स ना व ध य न रू रू वानि ॥ ॥ वा जान रू ला क रू श्व नी क रुत न क नृ ल नृ नः य व कि रूः
क रु व स नृ ॥ सर्व मरुता ज्ञा ज्ञा क नृ ल रूा नृ ॥ ॥ ग्रा नि रू दि रूा कः ॥ वा जाना धा मि रूाः स नृ
वा क रूा व द या न ग मः इ रूा नी वृ दि ना सा रूा श्व य रूा व स रूा नृ ॥ धी धी ज य रूय नी नृ म नृ
द व मरुता ज्ञा धि वा ज्ञा स य नृ स य नृ ग नृा अ रू दि व नृ ॥ सर्व नृ थामु ॥ ॥ य रू म नृ

वति॥ ६६ ॥ जलधि श्रुवा न॥ ॥ भय २१ ल॥ ॥ निधि यश्रुवा माया खान नाम साठ क हृदया
 ६ सभाय शुरुम सु॥ ॥ धी धी धी सु ६६ ॥ धी धी धी वसु॥ ॥ सर्वत ६३३ धावध सुदा ॥ १५ ॥ यद्य
 निधि धरादिन वालादि क ६६ ॥ मनिधन च वरुना तिखि नमिति॥ ॥ शु रुम सु धावदा॥ ॥

श्री श्री नृपति नृमरे वसन श्री प्रशु राम पारथान नान कदय काजुरो शुभ्र मस्तु सर्वदा भवेत्॥ ॥
 राग॥ वसन॥ ॥ आज पुर लत कल काम तोरिन जरे व अपन वाम॥ ॥ ॥ हृदय कम
 लम व्यसन त धार वरुना वना मोक्ष काम पदम साधिका वयोग साधना॥ ॥